वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 36 | शुक्रवार 31 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

हाईकोर्ट ने कहा- हीटवेव-कोल्डवेव को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें

जस्टिस अनूप कुमार ढंढ ने कहा कि अब समय आ गया है, जब हीटवेव (लू) और कोल्डवेव (शीतलहर) को राष्ट्रीय आपदा घोषित करके इनसे निपटने के लिए एडवांस तैयारी की जाए।

जयपुर. कासं

देशभर में भीषण गर्मी और हीटवेव से सैकड़ों मौतें हो चुकी हैं, लेकिन सरकारें इस ओर ध्यान नहीं दे रही हैं। यह टिप्पणी गुरुवार को राजस्थान हाईकोर्ट ने हीटवेव से हो रहीं मौतों के मामले में स्वप्रसंज्ञान लेते हुए की। जस्टिस अनूप कुमार ढंढ ने कहा कि अब समय आ गया है, जब हीटवेव (लू) और कोल्डवेव (शीतलहर) को राष्ट्रीय आपदा घोषित करके इनसे निपटने के लिए एडवांस तैयारी की जाए। कोर्ट ने राज्य सरकार को हीटवेव से होने वाली मौतों के मामले में उचित मुआवजा देने के निर्देश भी दिए हैं। साथ ही कोर्ट ने लोगों को राहत देने के लिए सरकार को कई दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। राजस्थान में गर्मी-हीटवेव से अब तक 61 लोगों की मौत हो चुकी है। हाईकोर्ट ने कहा कि 18 दिसंबर 2015 को केंद्र सरकार ने राज्यसभा में मृत्यु निवारण और शीतलहर विधेयक 2015 पेश किया था, लेकिन यह विधेयक आज तक कानून का रूप नहीं ले सका। केंद्र सरकार 8-9 साल से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी इस विधेयक को सदन में पारित नहीं करवा पाई है। यह विधेयक आज भी ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। जस्टिस अनूप ढंढ ने अपने आदेश की शुरूआत में लिखा कि पूरे ब्रह्मांड में पृथ्वी एक ऐसा ग्रह है, जहां जीवन है। हमारे पास दूसरे ग्रह का कोई विकल्प नहीं है, जिस पर हम शिफ्ट हो सकें। उन्होंने आदेश में लिखा कि पृथ्वी हमें भगवान का सबसे अनमोल तोहफा है। इस धरती ने हमें सब कुछ दिया है। जिस तरह से एक मां अपने बच्चे का पोषण करती है, उसी तरह से धरती ने हमारा पोषण किया है, इसलिए हम इसे धरती मां कहते हैं, लेकिन आज धरती तकलीफ में है। हमें इस धरती मां को बचाना होगा ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी एक सुरक्षित वातावरण में रह सकें। अगर हम आज नहीं संभले तो हम आने वाली पीढ़ियों को हमेशा के लिए फलते-फूलते देखने का मौका खो देंगे। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि हीटवेव एक्शन प्लान को प्रभावी रूप से लागू करें। उन सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जाए, जहां लोगों की ज्यादा आवाजाही रहती है। सड़कों और राजमार्गों पर छाया के लिए जगह चिह्नित की जाए। वहां पीने का पानी, ओआरएस और आम पना जैसे शीतल पेय पदार्थों की व्यवस्था की जाए।

5वीं और 8वीं का रिजल्ट जारी

वेबसाइट क्रैश हुई, 7 बजे बाद परिणाम दिखना शुरू हुआ

जयपुर. कासं

राजस्थान के सरकारी और प्राइवेट स्कूल से जुड़े करीब 27 लाख स्टूडेंट्स का इंतजार खत्म हो गया है। शिक्षा विभाग ने गुरुवार दोपहर 3 बजे 5वीं और 8वीं क्लास का रिजल्ट जयपुर शिक्षा संकुल में शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने जारी किया, लेकिन तकनीकी कारणों से काफी देर तक वेबसाइट पर अपलोड नहीं हो सका। तकनीकी खामी के बाद वेबसाइट क्रैश हो गई। शिक्षा विभाग के अधिकारी साइट ठीक करने में जुटे रहे। आखिर शाम 7 बजे बाद रिजल्ट दिखना शुरू हुआ। लेकिन वेबसाइट काफी धीरे चल रही है। तकनीकी खामी के बाद शासन सचिव ने ऑफलाइन रिजल्ट जारी किया है। कक्षा 5 में 14 लाख 35 हजार 696 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इनमें से 13 लाख 93 हजार 423 परीक्षार्थी पास हुए। कुल परीक्षा परिणाम 97.06 प्रतिशत रहा। राजकीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम 96.79 प्रतिशत रहा। वहीं, निजी विद्यालयों का परीक्षा परिणाम 97.40 प्रतिशत रहा। 5वीं में छात्राओं का परीक्षा परिणाम 97.23 प्रतिशत, जबकि छात्रों का 96.89 प्रतिशत रहा। यह परीक्षा 33 जिलों के आधार पर आयोजित की गई थी। इसमें दौसा, सीकर, अजमेर, प्रतापगढ़ और चूरू के स्कूलों का परीक्षा परिणाम सबसे अच्छा रहा है। कुल 9538 परीक्षार्थियों का परिणाम विभिन्न कारणों से रोका गया है। इनका परिणाम बाद में जारी किया जाएगा। कक्षा 8वीं में 12 लाख 50 हजार 800 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। जिनमें से 11 लाख 97 हजार 321 परीक्षार्थी पास हुए। कुल परीक्षा परिणाम 95.72 प्रतिशत रहा। राजकीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम 94.54 प्रतिशत रहा, जबकि निजी विद्यालयों का परीक्षा परिणाम 97.38 प्रतिशत रहा। 8वीं में छात्राओं का परीक्षा परिणाम 96.39 प्रतिशत, जबकि छात्रों का 95.14 प्रतिशत रहा।

श्री धर्म फाउंडेशन ने ट्रैफिक पुलिस को वितरित किए छाते

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से गुरुवार को अजमेरी गेट स्थित यादगार के लॉन में एक संक्षिप्त समारोह में 500 छातों एवं 1000 ग्लूकॉन-डी ओआरएस के पैकेट्स का वितरण किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया कि अभी भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच यातायात पुलिसकर्मियों को अपनी ड्यूटी करनी पड़ रही है और मानसून आने के बाद बरसात में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को अपनी ड्यूटी का निर्वहन करना पड़ेगा। फाउंडेशन के महासचिव गब्बर कटारा व सीईओ एम.एल. सोनी ने बताया कि गुरुवार शाम को आईजी और ट्रैफिक पुलिस के डीसीपी सागर राणा सहित अन्य बड़े अधिकारियों की उपस्थिति में यातायात पुलिसकर्मियों को 5 सौ छातों और 1 हजार ग्लूकॉन-डी के पैकेट वितरित किए गए। इस अवसर पर एडिशनल उपायुक्त समीर दुबे, सहायक पुलिस आयुक्त दक्षिण धर्मवीर सिंह और फाउंडेशन के सीईओ एमएल सोनी,सचिव जेके जैन,सलाहकार जे डी माहेश्वरी,लायन तेजेन्द्र गर्ग और रोटरी सिटीजन के आगामी अध्यक्ष संजय अग्रवाल भी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि श्री धर्म फाउंडेशन समय समय पर समाज व धर्म सेवा के कार्यों में सलग्न रहता है।

दीक्षार्थी भैया अतुल जी की गोद भराई का भव्य आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। वैराग्य की कोई उम्र नहीं होती है यह किसी भी उम्र या परिस्थिति में हो सकता है। अतुल भैया को ऐसे भाव उमड़े की दीक्षा लेने का निश्चय कर लिया है गृहस्थ जीवन छोड़ सन्यास का मार्ग अपना लिया अतुल भैया की गोद भराई व बहुमान आज सुमन कुमार, सीमा मोना अनुपम हिना विशाल स्वाती मेघान व मयान धगड़ा परिवार के घर पर गोद भराई व बहुमान किया गया धगड़ा परिवार के समाज के गणमान्य सदस्य गण व उनके रिश्तेदार पहुचे। उसके बाद बेड बाजे के साथ धगड़ा परिवार के घर से बग्गी में दीक्षार्थी की सवारी रवाना हुई वहाँ से रास्ते मे गोद भराई जिनेन्द्र, विनोद ब्र धर्म चन्द बाकलीवाल परिवार ने गोद भराई की गई सरावगी मोहल्ला स्थित बड़ा मंदिर जी के दर्शन किये। उसके बाद जुलुश सरावगी मोहल्ला अजमेरी गेट पाँच बत्ती होता हुआ होते हुए श्री दिगम्बर जैन पंचायती नसिया पहुंची। वहां पर श्री दिगम्बर जैन पंचायत की कार्यकारिणी ने गोद भराई की गई। उसके बाद श्री दिगम्बर जैन मारवाड़ी धड़े ने, श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जी विद्या महिला मंडल, ज्ञानोदय महिला मण्डल, पार्श्वनाथ महिला मण्डल युवा मंडल, विराग मण्डल श्री दिगम्बर जैन महासमिति पुरुष व महिला व सकल समाज के सभी महिला व पुरूष वर्ग ने गोद भराई की गई।

नेमीसागर कालोनी में शिक्षण शिविर का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमीसागर कोलोनी में चल रहे धार्मिक प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। उक्त शिक्षण शिविर श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति द्वारा श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के निर्देशन में ग्रीष्मकालीन 15 दिवसीय धार्मिक संस्कार शिविर लगाया गया था। शिविर में विदुषी देवांशी जैन एवं अंशिका जैन द्वारा बालबोध पाठमाला भाग एक व दो तथा द्रव्य संग्रह का अध्ययन कराया गया। शिविर के समापन पर दोनो पाठ्यक्रमो की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें द्रव्य संग्रह में विशाल जैन ने प्रथम, लक्ष्मी जैन ने द्वितीय, मधु जैन ने तृतीय एवं बेला जैन व आरती जैन ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। बालबोध पाठ्यक्रम में मधु जैन ने प्रथम, बीना जैन ने द्वितीय, सुनीता पहाडिया ने तृतीय एवं आरती जैन व लक्ष्मी जैन ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि समापन समारोह में डी सी जैन ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सांगानेर बालिका आवासीय विद्यालय से आई हुई विदुषी देवांशी जैन एवं अंशिका जैन का समाज द्वारा सम्मान किया गया। पुरस्कार पुण्यार्जक श्रीमती बुलबुल देवी, राजेश , राकेश श्रीमती जैना, श्रीमती रोशनी गंगवाल परिवार थे। इस अवसर पर शिविर की संयोजिका मंजू सेठी, बबीता जैन, अर्चना निगोतिया एवं पूजा जैन ने पुरस्कार विजेताओं एवं आगन्तुको का सम्मान किया । कार्यक्रम का संचालन प्रदीप निगोतिया द्वारा किया गया एवं समिति के उपाध्यक्ष अनिल जैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक ऊर्जाओं का संचार 11वी बार भवानी निकेतन, सीकर रोड पर योग शिविर का आयोजन

जयपुर में सन टू ह्यूमन फाउंडेशन के तत्वाधान में योग शिविर का आयोजन 28 मई से 2 जून 2024 तक

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं अल्टरनेटिव थेरेपी विशेषज्ञ ओम प्रकाश ने बताया कि नया दृष्टिकोण वाला शिविर 11 वी बार 28 मई से 2 जून 2024 तक 6 दिनों के लिए सुबह श्री भवानी निकेतन, सीकर रोड जयपुर में सन टू ह्यूमन फाउंडेशन के तत्वाधान आयोजित किया जा रहा है। 28-30 मई को प्रत्येक दिन 15000 से ज्यादा लोगो द्वारा इस योग शिविर में भाग लिया। इस शिविर में आध्यात्मिक, मानसिक एवं शारीरिक ऊर्जाओं का संचार योग, ध्यान, म्यूजिक, डांस, आचार व्यवहार एवं पञ्च तत्वों आदि के माध्यम से किया गया. लोगो द्वारा मस्ती में झूमते हुए खूब आनंद लिया और ऊर्जाओं को महसूस भी किया। अधिकतर लोगो को पहले ही दिन से मानसिक शांति एवं थकान में राहत का अहसास हुआ। विभिन्न अनुभूत प्रयोगों के विज्ञान के बारे में पहले विस्तार से बताया फिर उनका प्रैक्टिकल करवाया गया। इन प्रयोगों को करने एवं खानपान में आवश्यक परिवर्तन से विभिन्न प्रकार की बीमारियाँ जैसे कि हाई ब्लड प्रेशर, डिप्रेशन, डायबिटीज, मोटापा, माइग्रेन, थयराइड, अर्थरइटिस, कब्ज, एसिडिटी, कमजोरी, सर्वाइकल, कमर दर्द, घुटना दर्द, पिंडलियों का दर्द, एड़ी का दर्द, फेफड़ों एवं ह्रदय सम्बंधित विभिन्न अन्य समस्याओं में आराम मिलता है तथा इनके लगातार करने से सभी प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक रोगों से छुटकारा भी मिल सकता है। शरीर व मन की शक्तियों को जगाने के लिए साधना के सतत धारा है जरुरी। बढ़ती सुविधाओं एवं विकास के कारण अहंकार, काम क्रोध,लोभ, मोह बढ़ रहा है अतः इससे मनुष्य जीवन बेकार भी होता जा रहा है परन्तु आध्यात्मिक, मानसिक एवं शारीरिक ऊजाओं एवं आनंद से समय आबाद होता है व पूरा मनुष्य जीवन सफल हो जाता है, अहंकार, काम क्रोध,लोभ, मोह से मुक्ति मिलती है जिससे जीवन लम्बे वर्षों तक आसानी से चलता है। शिविर के अंत में सभी लोगों के लिए दिव्य ब्रेकफास्ट का आयोजन किया गया जिसमे फलों के आलावा अनेको अन्य व्यंजन भी शामिल थे। शिविर का समय 31 मई से प्रातः 5.00 बजे से 7.00 बजे तक रहेगा। इसमें भाग लेने के लिए इच्छुक लोग शिविर शुरू होने से पहले पहुचकर भी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है।

घटयात्रा के साथ 9 दिवसीय सिद्धचक्र महामण्डल विधान का हुआ शुभारंभ

मुनि श्री के पावन सांनिध्य में प्रष्ठिताचार्य प्रदीप भैया जी द्वारा कार्यक्रम हुआ प्रारंभ

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

सिरोंज। श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ पचखनी जैन मंदिर एंव सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा दिगम्बर जैन बडें मंदिर में श्री 1008 सिद्ध चक्र महामण्डल विधान एंव विश्व शांति महायज्ञ का बुधवार को शुभारंभ हुआ जो कि 6 जून तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें पूज्य मुनि श्री 108 अजीत सागर जी महाराज, मुनि श्री 108 निराग सागर महाराज एंव ऐलक श्री 105 विवेकानंद सागर महाराज के पावन सांनिध्य में प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र प्रदीप भैया,सहयोगी बा.ब्र पं बागमल जैन द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रातः काल कठाली जैन मंदिर से पीले वस्त्र धारण महिलाओं द्वारा घटयात्रा निकाली गई जो कि मुख्य बाजार से होते हुए दिगम्बर जैन बडा मंदिर पहुचकर घटयात्रा का समापन हुआ। वही दिगम्बर जैन बडा मंदिर में प्रातः काल शांतिधारा, अभिषेक सम्पन्न हुआ। इस अवसर मुनि श्री अजीत सागर जी महाराज ने सिद्ध चक्र महामण्डल का महत्व बताते हुए कहा कि सिद्धचक्र का अर्थ है सिद्धों का समूह। तीनलोक के अग्रभाग पर अनन्तानन्त सिद्ध विराजमान रहते हैं। उन सबको सिद्धचक्र विधान के माध्यम से नमन किया गया है। अष्टान्हिका पर्व में प्रायः सभी जगह सिद्धचक्र विधानों के आयोजन देखे जाते हैं क्योंकि मैना सुन्दरी ने अष्टान्हिका में इसकी विधिवत आराधना करके अपने पति एवं सात सौ कुष्ठियों का कुष्ठ रोग दूर किया था। सिद्ध यह शब्द विशेष मंगलसूचक है। इस पद के नामोच्चारण से अनेक कार्यों की सिद्धि होती है। आचार्य श्री पूज्यपाद स्वामी ने जैनेन्द्र प्रक्रिया नामक व्याकरण ग्रंथ का शुभारंभ सिद्ध शब्द से किया है। उसका प्रथम सूत्र है। सिद्धिरनेकान्तात जिसका अर्थ है अनेकान्त से शब्दों की सिद्धि होती है। इसी प्रकार शर्ववर्म आचार्य ने कातन्त्ररूपमाला में ''सिद्धो वर्णसमाम्नायः'' इस सूत्र से शुभारंभ किया है जिसका अर्थ है कि वर्णों का समुदाय अनादिकाल से सिद्ध है। ग्रंथ के प्रारंभ में सिद्धि एवं ''सिद्ध'' शब्द का प्रयोग स्वयमेव मंगलाचरण का रूप धारण कर लेता है जिससे कृति का निर्माण निर्विघ्न सम्पन्न होता है। ''सिद्ध'' शब्द से ''सिद्धान्त'' बनता है।

बस डिपो में पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर दाने पानी की व्यवस्था की

सीकर. शाबाश इंडिया

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम - बस डिपो परिसर एवं गैराज के पेड़ों पर परिंडे लगाकर उनमें दाने पानी की व्यवस्था की गई। प्रियंक गंगवाल ने बताया कि गर्मियों में जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, पक्षियों के लिए दाना-पानी ढूंढ पाना भी उतना ही मुश्किल होता है। बेजुबान पक्षी इस भीषण गर्मी में प्यास से छटपटाते हुए दम तोड़ देते हैं। इसके लिए राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम ''डिपो मुख्य प्रबंधक'' के नेतृत्व में पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर पानी उपलब्ध कराया गया ताकि वे पानी की तलाश में दम ना तोड़ दें। डिपो मुख्य प्रबंधक श्रीमती मुकेश लांबा ने आह्वान किया कि इसकी शुरूआत आप स्वयं भी कर सकते हैं, केवल एक परिंडा लगा कर। इसके लिए आप अपनी कॉलोनी,घर ,ऑफिस व अन्य सार्वजिनक स्थानों पर परिंडे बांधकर पुनीत कार्य करें हमारे छोटे - छोटे प्रयास ही भावी पीढ़ियों को ऐसे पुण्य कार्य करने के लिए प्रेरित करेंगे। बेजुबान पक्षियों को पर्यावरण परिवर्तन के कारण गर्मी के मौसम में दाना-पानी की परेशानी ना रहें इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की व आभार व्यक्त किया इस मौसम में पशु- पक्षियों के लिए दाने पानी की व्यवस्था करने की अपील की है साथ ही निगम के कर्मचारियों को निरंतर परिंडो की देखभाल की जिम्मेदारी दी। इस मौके पर आलोक काला, जुगल काला, प्रियंक जैन, श्रीमती मुकेश लांबा मुख्य प्रबंधक, उर्मिला प्रबंधक संचालन,राज मीणा प्रबंधक प्रशासन,चित्रा बैराठ,कार्यक्रम संयोजिका सुनीता रेवाड़, सुरेश कुमार चौधरी सीबीएस प्रभारी,हरफूल भींचर यूनियन अध्यक्ष,विनोद भींचर, जयकुमार,राकेश स्वामी संगणक आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे और साथ ही बुधवार को स्मृति वन में जय कुमार छाबड़ा,नरोत्तम सोनी,वासुदेव सोनी,आशीष जोशी, सोमिल बजाज द्वारा भी परिंडे बांधे हुए ।

वेद ज्ञान

झूठ के अंधेरे...

सत्य साध्य है और असत्य श्रमसाध्य। हम बड़े प्रयास से निरंतर अपने को ढंकते जाते हैं और तब गढ़ते हैं असत्य की प्रतिमा। सत्य शिशु का स्वभाव है। असत्य को ग्रहण करने में उसे बड़ा श्रम करना पड़ता है। एक सत्य को छिपाने में हमें अनेक झूठ का सहारा लेना पड़ता है। शिशु स्वभाव से निष्छल होता है, परंतु हम बड़े श्रम से उसे असत्य सिखाते रहते हैं। हमारी यह मिथ्या धारणा है कि उसे दुनियादार बनाने के लिए असत्य सिखाना जरूरी है। ऐसा करते रहने से परत-दर-परत उसके भीतर का सूर्य ढंकता चला जाता है और वह झूठ के अंधेरे में भटकने के लिए मजबूर हो जाता है। अबोध बालक शत्रु-मित्र में भेद करना नहीं जानता है। वह दोनों को देखकर मुस्करा देता है और दोनों की गोद में जाने के लिए आतुर दिखाई देता है। हम उसके मन में भेद पैदा करते हैं। बालक के कोमल मन पर हम बड़े सलीके से असत्य के विष का लेप करते रहते हैं। वह तो निरंतर समभाव में रहता है। उसके भीतर नफरत की दीवार हम खड़ी करते हैं। बालक दरिद्र- संपन्न, कुलीन-अकुलीन, धर्म-पंथ, स्पृश्य-अस्पृश्य में भेद नहीं देखता। हम उसके सामने वर्जनाओं की बाधाएं खड़ी कर देते हैं, जिसके फलस्वरूप वह सत्य के मार्ग से भटक जाता है। यही उसे हैवान बना देती है। हर व्यक्ति दावे के साथ कहता है कि उसे असत्य से नफरत है। मुझसे सत्य छिपाया नहीं जाता, परंतु होता है इसके उलटा। पति पत्नी से, मित्र मित्र से, सहयोगी अधिकारी से सत्य को छिपाता है। जब हम पग-पग पर असत्य का व्यवहार करेंगे तो सत्य का दीदार कैसे होगा? असत्य हमारे भीतर इतना गहरा पैठ गया है कि धुरंधर तत्वचिंतक भी दोहरी मान्यताएं ढोते रहते हैं। सत्य का सौरभ पाने के लिए मन की कुटिलताएं और चित्त की काई को साधना के मंजन से साफ करना होगा। सत्य के अमूल्य रत्न को पाने के लिए हमें कुछ मूल्य तो चुकाना ही होगा। वह मूल्य चुकाया था हमारे ऋषियों ने। वे सत्य की खोज में जंगलों और पहाड़ों में अखंड साधना करते रहे। चीनी यात्री व्हेनसांग ज्ञान की खोज में भारत आया था। सत्य की तलाश में वह गुरुकुलों और आश्रमों में गया। यहां से योग्य शिष्यों को लेकर चीन वापस गया और वहां सत्य के ज्ञान का बीज बोया। व्हेनसांग भारतीय धर्म-दर्शन की कुछ पांडुलिपियों को साथ ले गया, जिनमें साधना का सार था।

संपादकीय

दबंगों पर आखिर कब तक कानून का राज कायम होगा

उत्तर प्रदेश सरकार यह दावा करते नहीं थकती कि उसने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को पटरी पर ला दिया है। मगर समझ से परे है कि वहां राजनीतिक रसूख वाले दबंगों में आखिर यह भरोसा कहां से पैदा होता है कि वे चाहे जितनी मनमानी कर लें, उन तक कानून के हाथ नहीं पहुंच सकते। शायद इसी भरोसे के चलते गोंडा के कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह से

बेटे करन भूषण सिंह के काफिले की एक गाड़ी ने मोटर साइकिल सवार दो युवाओं और एक महिला को रौंद दिया। युवाओं की ठौर मौत हो गई और महिला गंभीर रूप से घायल है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि करन भूषण का काफिला काफी तेज रफ्तार से निकल रहा था और उसमें से एक गाड़ी ने सड़क पर आगे निकलने की जल्दी में एक मोटर साइकिल को टक्कर मार दी। गाड़ी की रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मोटर साइकिल को टक्कर मारने के बाद वह आगे जाकर खंभे से टकराई और फिर अपने घर के बाहर बैठी एक महिला को रौंदती हुई आगे बढ़ गई। गाड़ी के एअरबैग खुल गए, जिससे उसमें बैठे लोगों की जान बची। इस घटना के बाद पुलिस ने गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया और चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मगर विचित्र है कि घटना के बाद भी काफिले की बाकी गाड़ियां नहीं रुकीं, उसी रफ्तार में आगे बढ़ गईं। काफिले में शामिल किसी ने टक्कर खाकर गिरे मोटर साइकिल सवार युवकों की खोज-खबर लेना जरूरी नहीं समझा। सवाल उठता है कि किसी भी वजह से क्या नेताओं को मनमनाने ढंग से वाहन चलाने की छूट मिल जाती है? अगर करन भूषण के काफिले में शामिल वाहनों ने नियम-कायदों की परवाह करना जरूरी नहीं समझा, तो इसकी कुछ वजहें भी समझी जा सकती हैं। गोंडा और आसपास के इलाकों में बृजभूषण शरण सिंह का दबदबा किसी से छिपा नहीं है। उन पर महिला पहलवानों ने यौन शोषण का आरोप लगाया, तो वे जिस तरह उन्हें डरा-धमका कर आंदोलन वापस लेने का दबाव बनाते रहे, वह भी सब जानते हैं। उनके रसूख का पता इस बात से भी चलता है कि पार्टी ने उन्हें प्रत्याशी नहीं बनाया, तो उनके बेटे को टिकट दे दिया। करन भूषण चुनाव मैदान में हैं, इसलिए उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे कुछ विनम्र और अनुशासित आचरण दिखाएंगे, मगर जिस तरह उनके काफिले की एक गाड़ी ने दो युवकों को रौंद डाला, उससे नहीं लगता कि उन्हें इसकी परवाह रही होगी। हालांकि इस घटना के लिए फिलहाल सीधे-सीधे उन्हें दोषी ठहराना ठीक नहीं, पर सच्चाई यह भी है कि बिना नेता की शह के, उसके साथ चलने वाले लोग मनमानी नहीं कर सकते। वाहन चालकों में भी कहीं न कहीं यह भरोसा रहा होगा कि वे सड़क पर बेलगाम चलेंगे, तो उन्हें कोई रोके-टोकेगा नहीं। जिस वाहन से दुर्घटना हुई, उस पर पुलिस का वाहन लिखा हुआ था, जबकि वह करन भूषण के काफिले का वाहन था। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

पानी की समस्या

यह देखकर अक्सर हैरानी होती है कि जिन समस्याओं को सामान्य नागरिकबोध से सुलझाया जा सकता है, उसके लिए भी अदालतों को फटकार लगानी पड़ती, सरकारों को कड़े दंड का प्रावधान करना पड़ता है। दिल्ली में पानी की समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने बेवजह पानी बहाने वालों पर दो हजार रुपए का जुमार्ना लगाने का आदेश दिया है। इसके लिए जल बोर्ड को दो सौ टीमें बनाने को कहा गया है। प्रायः देखा जाता है कि लोग पाइप लगा कर गाड़ियों की धुलाई करते और देर तक पानी बहाते

रहते हैं। इसी तरह टंकियों में पानी भरने के बाद बहता रहता है और लोग उसे रोकने का कोई उपाय नहीं करते। इस समय जब दिल्ली में बहुत सारे लोग पीने के पानी को तरस रहे हैं, कुछ लोग मनमानी पानी बहाते रहते हैं। ऐसे लोगों पर नकेल कसना जरूरी है। मगर जुमार्ने के भय से कितने लोगों को अपनी नागरिक जिम्मेदारी का अहसास हो पाएगा, कहना मुश्किल है। दिल्ली सहित तमाम महानगरों में गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत हो जाती है। सभी को जरूरत भर का पानी उपलब्ध कराना कठिन हो जाता है। इसे लेकर सरकारें और सामाजिक संगठन, रिहाइशी कालोनियों के प्रबंधन लोगों से पानी का सोच-समझ कर इस्तेमाल करने की अपील करते रहते हैं। महानगरों में माना जाता है कि पढ़े-लिखे और जागरूक लोग रहते हैं, वे ऐसी समस्याओं का समाधान खुद निकालेंगे। मगर विडंबना है कि पढ़े-लिखे और जागरूक माने जाने वाले लोग ही गाड़ियों की धुलाई, बागों की सिंचाई और नहाने-धोने में सबसे अधिक पानी की बबार्दी करते हैं। दिल्ली जल बोर्ड के निगरानी दल ऐसे लोगों पर कितनी सख्ती कर पाएंगे, देखने की बात है। वे बाहर बहते पानी पर तो फिर भी नजर रख लेंगे, पर घर के भीतर जो लोग बेवजह पानी बहाते रहते हैं, उनका हाथ वे कैसे पकड़ पाएंगे। बर्तन और कपड़े धोने में जो मनमानी पानी बहाया जाता है, उस पर कैसे रोक लगेगी। दरअसल, इसके लिए लोगों में यह संवेदना पैदा करना जरूरी है कि पानी की एक-एक बूंद कुदरत को निचोड़ कर मिलती है।

कर्म सिद्धांत एक अकाट्य सिद्धांत है फल जब भी मिलेगा कर्म के उदय से मिलेगा: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

महाआरती में सम्मिलित हुए दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

कर्म सिद्धांत एक अकाट्य सिद्धांत है फल जब भी मिलेगा कर्म के उदय से मिलेगा। कुंडली वह सत्य है जिसमें यह कर्म कितना फल देगा इसको, यदि ये प्रयास करेगा तो इस प्रकार का परिवर्तन हो सकता है कुंडली नियत नहीं होती, कुंडली एक थमार्मीटर या जाँच मशीन के समान है उसमें हीनाधिकता हो जाती है, उसमे परिवर्तन हो जाता है कुंडली सशर्त बनती है, वैद्य के समान इस प्रकार पथ्य करोगे तो इस बीमारी से बच जाओगे इसी प्रकार कुंडली वह पुरुषार्थ है जो नियत व वर्तमान के पुरुषार्थ को जोड़ती है, जैसे नियत यह है लेकिन पुरुषार्थ करोगे तो उसे बचाया जा सकता है इसलिए अपने कर्म पर भरोसा रखो सब कुछ ठीक हो जाएगा उक्त आश्य के उद्गार मुनि पुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज ने दमोह में उपकार महामहोत्सव में विशाल जन समूह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए ।

कलेक्टर सुधीर कोचर ने छात्र-छात्रों को दिया मार्ग दर्शन

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने दमोह से लौट कर बताया कि मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में चल रहे हैं यह पहली बार है कि इस शिक्षण शिविर में तीन तीन निर्यापक श्रमण श्री प्रसाद सागर जी महाराज निर्यापक श्रमण श्री वीरसागर जी महाराज सहित अन्य संत जन

भी अपना समय दे रहे हैं। इस शिविर में सभी वाल वृद्ध सहित हजारों शिविराथी भाग ले रहे हैं बाहर से आये शिविरार्थियों को आवास की सुविधा दी । दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर शिविर स्थल पहुंचे और युवा छात्र छात्राओं को अपना मार्गदर्शक देते हुए कैरियर वनाने के लिए कुछ टिप्स दिए। किस तरह अपना मनोबल ऊंचा रखते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं का सामना करना चाहिए और किन किन चीजों का ध्यान रखना चाहिए उन्होंने कहा कि कोई भी एग्जाम कठिन नहीं होता हम उसे कठिन बना देते हैं यदि हम नियमित अध्ययन कर परीक्षा की तैयारी करेंगे तो सफलता निश्चित मिलेगी।

महा आरती में पहुंची दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी

इसके पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप आदित्य के साथ मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा दर्शनोदय थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी कोषाध्यक्ष सौरव वाझल पूर्व कोषाध्यक्ष मनोज भैसरवास आडिटर राजीवचन्देरी शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर शैलेन्द्र दददा जैन समाज मंत्री शैलेन्द्र श्रागर सहित अन्य भक्तों ने भाग लिया इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप आदित्य ने कहा कि जिस पर परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज की कृपा होती है वह हर समय निश्चित रहता है उसकी चिंता को गुरु देव का आशीर्वाद ही दूर कर देता है हम सब को परम पूज्य की सेवा का सौभाग्य झांसी अंचल में प्रवास के दौरान मिला था वे क्षण हमारे जीवन के अनमोल क्षण थे जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता।

बहुमुखी दुनिया में कोई चीज नहीं है

बहुमुखी दुनिया में कोई चीज नहीं है बहुमुखीपना ऐसे होता है जैसे हीरा में पहलू होते नहीं है लेकिन जोहरी हीरा में पहलू निकाल देता है। हम किसी भी विद्या को बहुमुखी बनाना चाहते हैं, यह हमारी योग्यता पर आधारित है जैसे हमने अभिषेक से बहुमुखी तत्व निकला कि बेटे को अभिषेक से मोक्ष ही नही होगा, जो सुबह से अभिषेक का लोटा उठाएगा वह शराब की बोतल नही उठाएगा। उन्होंने कहा कि व्यक्ति सारी दुनिया को अपने अनुकूल क्यों चलना चाहता है, वह यह प्रयास क्यों नहीं करता कि मैं दुनिया के साथ एक कदम चलूं। टूटता वह व्यक्ति है जो दुनिया को अपने अनुसार चलाना चाहता है, दुनिया मेरे अनुसार नाचे। हर व्यक्ति यही टूट रहा है महत्वाकांक्षा में, बेटा बाप से टूट रहा है क्योंकि वेटा भी माँ-बाप को अपने अनुसार चलना चाहता है।

अधिकार हम मुठ्ठी में बांधें और सहयोग सभी से चाहें तो कठिन होगा

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति वह कहलाती है जिसमें पूरी समाज का अधिकार होता है जहाँ हर व्यक्ति कह सके कि इस संस्था का मैं भी ट्रस्टी हूँ। अधिकार हम मुठ्ठी में बांधे और सहयोग सभी से चाहे तो मिलना कठिन होता है हमें सभी को अधिकार देना होगा जब सफर बहुत लंबा होता है तो रात्रि में विश्राम करने वाली लालटेन भी साथ में रख लेना चाहिए, रात्रिविश्राम का तंबू भी साथ रख लेना चाहिए। यही व्यवस्था आचार्यो ने रास्तों के लिए कही, जिसे षट आवश्यक कहा है, ये उन्ही के लिए हैं जिनकी गति धीमी है और रास्ता लंबा है, डायरेक्ट मोक्ष जाने वालों के लिए नही पूजा में हम जो कुछ पढ़ते हैं, उस समय तदरूप होने का प्रयास करें। जैसे पूजा में हम क्षुधारोग विनाश की भावना करते हैं तो कुछ घण्टे के लिए हम भूख को रोके , हम महीने में एक बार उपवास करने का प्रयास करें, नही बनता तो एकासन, दो बार भोजन का प्रयास करे।

आचार्य श्री विद्यासागर जी द्वारा जीवदया एवम परोपकार पर दिए गए उपदेशों को राजस्थान स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज द्वारा जीवदया एवम परोपकार पर दिए गए उपदेशों को राजस्थान स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर द्वारा राष्ट्रीय संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज द्वारा अपने पूरे जीवन काल में अहिंसा परमोधर्म के रास्ते पर चलते हुए जीवदया एवम परोपकार पर दिए गए उपदेशों को स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की है। महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नई दिल्ली व अजमेर संभाग के महामंत्री कमल गंगवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के नाम एक ज्ञापन भेजा गया जिसमे जैन धर्म के सबसे बड़े आचार्य रहे आचार्य श्री की जीवनी को जन जन तक पहुंचाने का आग्रह किया। गंगवाल व पाटनी ने बताया की इस संबंध में पोस्ट कार्ड अभियान भी चलाया जायेगा।

श्रमण संस्कार शिक्षण शिविर

रत्नाकर एवार्ड हेतु चयन प्रक्रिया संपन्न, एक जून को भव्य समापन समारोह में होगा सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अन्तर्गत संचालित संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति द्वारा श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के सहयोग से शहर के 48 दिगम्बर जैन मंदिरों में गत 15 मई से चल रहे 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कार शिक्षण शिविरों के अंतिम चरण में आज रत्नाकर एवार्ड हेतु छात्रावास प्रांगण में चयन प्रक्रिया परीक्षा के माध्यम से संपन्न हुई । महाविद्यालय अधिष्ठात्री शीला ड्योडा ने बताया कि नो विषय में से प्रत्येक विषय में प्रथम स्थान प्राप्त कर्ता को रत्नाकर एवार्ड दिया जाएगा । साथ ही जयपुर के 48 मंदिरों में पढ़ाये गये विषयों में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को एवं चयनित श्रेष्ठ तीन मंदिरों को एक जून को बिरला सभागार में आयोजित भव्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह में 48 मंदिरों के शिविरार्थियों के अलावा सभी मंदिरों व संस्थाओं के पदाधिकारी व समाज के गणमान्य श्रेष्ठी उपस्थित रहेंगे। धार्मिक मंत्री विनिता जैन एवं विद्युत लुहाडिया के मुताबिक इन शिक्षण शिविरों का सामूहिक समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार, 01 जून को बिड़ला आडिटोरियम में सायंकाल 7.00 बजे से होगा।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप का रेल यात्रियों के लिए निशुल्क जल सेवा कार्यक्रम

श्याम सखा मित्र मंडल भी पहुंचा जल सेवा में सहयोग करने, रेल यात्रियों को शीतल जल के साथ में शीतल शरबत भी पिलाया

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा रेलवे स्टेशन पर संचालित रेल यात्रियों के लिए निशुल्क जल सेवा में आज श्याम सखा मित्र मंडल के कार्यकर्ता भी बड़े उत्साह के साथ में जलसेवा करने पहुंचे। श्याम सखा मित्र मंडल के तीन दर्जन से अधिक कार्यकताओं ने रेल यात्रियों को शीतल जल पिलाया एवं बड़े उत्साह के साथ शरबत भी पिलाया। उल्लेखनीय की श्याम सखा मित्र मंडल का पांच दिवसीय वार्षिक उत्सव चल रहा है जिसके प्रथम दिन श्याम सखा मित्र मंडल के अध्यक्ष अतुल मधुबन, महामंत्री गौरव गुप्ता के नेतृत्व में जल सेवा में सहयोग किया गया।

दसवीं बोर्ड राजस्थान में टॉप कर अलोद बूंदी की निधि ने बढ़ाया जैन समाज का गौरव

बूंदी. शाबाश इंडिया

राजकीय बालिक उच्च माध्यमिक विद्यालय अलोद जिला बूंदी की छात्रा निधि जैन पुत्री मुकेश जैन ने 99.67 प्रतिशत अंक लाकर अपना,अपने परिवार का व जैन समाज का गौरव बढ़ाया है। ऐसी होनहार बालिका के लिए संपूर्ण राजस्थान की जैन समाज की तरफ से हार्दिक धन्यवाद और बधाई। वास्तविक रूप से देखा जाए तो होनहार विरवान के होत चिकने पात जो होनहार होते हैं वह अपनी योग्यता अवश्य सिद्ध करते हैं। ऐसा ही निधि जैन ने किया है। कोरोना काल में मां के निधन के बाद छोटे भाई की परवरिश की जिम्मेदारी भी जिस मासूम के कंधों पर हो और उसके पिता मुकेश जैन आर्थिक रूप से सक्षम ना होते हुए, मात्र एक छोटी सी कपड़े की दुकान घर के बाहर चलाते हो। उसने स्वयं के बल पर राजकीय विद्यालय में अध्ययन कर, बिना किसी सुख सुविधा के ऐसा मुकाम हासिल किया है जो सभी बच्चों के लिए प्रेरणादायी है। नियमित रूप से अध्ययन, एक एक डाउट को अध्यापकों से समाधान करना और 8 से 10 घंटे केवल पढ़ाई पर ही ध्यान देना। इसके अतिरिक्त मोबाइल आदि से दूरी बनाकर निधि जैन ने मुकाम हासिल किया है। निधि जैन भविष्य में इंजीनियर बनना चाहती है ऐसी बालिका को संपूर्ण समाज आगे बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित करें किसी भी प्रकार की पढ़ाई में कोई कठिनाई आए तो समाज को आगे बढ़कर ऐसे बालक बालिकाओं के लिए हमेशा तत्पर खड़े रहना चाहिए। एक बार पुनः बिटिया को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं जीवन में उन्नति के पथ पर इसी तरह निर्बाध रूप से आगे बढ़ती रहो। धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रदेश निधि जैन के उन्नत भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करता है।

संजय जैन बड़जात्या कामां,
राष्ट्रीय प्रचार मंत्री धर्म जागृति संस्थान

सरदार ओंकार सिंह को सेवाओं हेतु केबीजीबी संस्था ने सम्मानित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान सिख समाज की अग्रणी संस्था कौन बनेगा गुरसिख बच्चा संस्था ने सरदार ओंकार सिंह को उनकी सामाजिक और धार्मिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया। केबीजीबी संस्था अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह ने बताया कि सरदार ओंकार सिंह ने लोकप्रिय सीरियल की तर्ज पर सिख धर्म, संस्कृति और इतिहास पर आधारित किंडर केयर गुरमत क्विज स्कौन बनेगा गुरसिख बच्चा...? शुरू की। बाद में इसी नाम से रजिस्टर करवा कर इसे संस्था का नाम दिया गया। सिंह की अगुवाही में सिख बच्चों के रिश्तों हेतु कई सिख परिचय सम्मेलन करवाए गए। राजस्थान का पहला आरएनआई रजिस्टर्ड न्यूज लेटर ''सिख जागृति'' का संपादन भी आपने किया। सिख बच्चों के विवाह हेतु ऑनलाइन संजोग मैट्रीमोनियल फ्री ऑनलाइन सर्विस आपके अथक प्रयासों से शुरू हुई । 24 वर्ष तक संस्था के विभिन्न पद संभालते हुवे 7वर्ष तक अध्यक्ष रहे। आपके द्वारा चालू सभी सेवा कार्य आज भी निर्विघ्न चालू हैं। केबीजीबी संस्था राजस्थान सिख समाज का ''सिख जागृति'' नाम से यूट्यूब चैनल शुरू करने जा रही है। जिसके संचालन का कार्यभार भी ओंकार सिंह को मुख्य संपादक के रूप में सौंपा गया है। केबीजीबी संस्था के पूर्व अध्यक्ष सरदार गुरपाल सिंह, सरदार दीप सिंह और वर्तमान अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह ने ओंकार सिंह को मालार्पण कर सम्मानित किया। इस अवसर किंडर केयर गुरमत क्विज के संचालक सरदार अरविंदर सिंह टक्कर, सचिव सुखदेव सिंह, खजांची सुरेंद्र सिंह आदि ने भी ओंकार सिंह को नए पद हेतु शुभकामनाएं भी दी।

अमानवीय अवगुणों को निकालें अपने हृदय से: गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ नेमिसागर कालोनी जयपुर में विराजमान है। धर्म की गंगा को प्रवाहमान करती हुई पूज्य गुरूमाँ धर्म रसिकों, धर्म पीपासुओं को ज्ञान रूप जल का सिंचन कर संसार भय से तप्त हृदय को शांति का परम आनंद प्राप्त करा रही है। पूज्य माताजी का वात्सल्य भाव जनमानस के अंतःकरण में भक्ति- सेवा भावों को प्रेरित कर रहा है। सचमुच संत पुरुषों का समागम बड़े दुर्लभता से ही प्राप्त हुआ करता है। पूज्य माताजी की दिनचर्या के साथ-साथ प्रवचनों का सार भी उच्च आचरण, उच्च विचार की ओर प्रोत्साहित करता है। पूज्य माताजी ने प्रवचन में कहा- जैनियों जागो ! हमारा इतिहास उच्च आचार-विचार वाले महापुरुषों की यशोगाथा से भरा हुआ है । हम भी उन्हीं के अनुयायी उन्हीं के चरण चिन्हों पर चलने का प्रण लेते है एवं स्वार्थ, भेदभाव, बेईमानी जैसे अमानवीय अवगुणों को मानव के हृदय से निकाल फेंक इंसानियत की ज्योत प्रज्वलित करते है। पूज्य गुरुमाँ आहारचर्या कराने का परम सौभाग्य देवेन्द्र बाकलीवाल सपरिवार ने प्राप्त कर अक्षय पुण्य का संचय किया। उनके पुण्य की खूब खूब अनुमोदना कर जैन समाज ने जयकारों के साथ पूज्य गुरुमाँ की आरती एवं भक्ति का आनंद प्राप्त किया।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति एवं श्रमण संस्कृति संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में श्री मुनिसुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर महल योजना जगतपुरा में आयोजित 15 दिवसीय धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का समापन हुआ। समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया कि विभिन्न वर्ग एवं विषयों में श्रावक श्राविकाओं द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन किया गयो द्रव्य संग्रह पाठ में तोशी जैन, सपना सांघी एवं डॉ प्रीति जैन; इष्टोपदेश पाठ में आदीश जैन, युविका सांघी, दिशा जैन; बालबोध भाग प्रथम में काशवी सांघी, कनक जैन एवं बालबोध भाग 2 में कीर्ति जैन, कनिष्क जैन एवं इशिता जैन ने क्रमशः सर्वोच्च अंक प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त छात्र रत्नाकर परीक्षा में मंदिर का प्रतिनिधित्व करेंगे। संयोजक पिंकल एवं धीरेंद्र जैन ने बताया कि समाज के सभी आयु वर्ग के लोगों ने उत्साह पूर्वक अध्ययन कर धर्म लाभ उठाया तथा सभी परीक्षार्थियों को परितोषण वितरण किया गया। समापन समारोह के दौरान मुकेश निर्मला संघी, अनूप जैन, शिव कुमार जैन, भागचंद कनक जैन, मैंना गंगवाल, प्रभा जैन आदि उपस्थित रहे।

परिंदो के लिए बांधे परिंडे, दिया सेवा का सन्देश

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

डूंगरपुर - गौ सरंक्षण और संवर्धन को लेकर सेवा कर रही , गौ गोपाल सेवा समिति द्वारा गर्मी के मौसम में पक्षियों के पीने के पानी व्यवस्था के लिए आगामी दिनों में लगभग 500 पानी के परिंडो को शहर के विभिन्न स्थानों पर वितरित किया जाएगा। जिसकी शुरूआत 50 परिंडो को लगाने के साथ की गई। बुधवार को सेवा समिति ने श्रीनाथ सोसाइटी , बालाडिट में एकादशी महिला मंडल के साथ कॉलोनी में परिंडे बांधे और महिलाओं ने रोजाना उसमें पानी देने की शपथ ली। सेवा समिति के डॉ भरत खत्री के नेतृत्व में इन गर्मियों में 500 से अधिक परिंडे शहर के विभिन्न स्थानों पर बांधे जायेगे साथ ही उसमें रोजाना पानी देने की शपथ भी दिलाई जायेगी। समिति द्वारा बुधवार को गौ भक्त रोकी शर्मा द्वारा आयोजित परिंडे वितरण कार्यक्रम श्रीनाथ कॉलोनी में आयोजित हुआ जिसमे गौ गोपाल सेवा समिति के विनय श्रीमाल , डॉ धीरज टेलर , मनीष भावसार ने महिला मंडल के साथ कॉलोनी के बगीचे में परिंडे बांधे और समस्त महिलाओ को परिंडे भी भेट किये गए। वही डॉ धीरज टेलर ने अपनी वैवाहिक वर्षगाठ पर गौमय गौमाता की प्रतिमा अपने रिश्तेदारों को भेट की,, जिससे अधिक से अधिक लोग गौ सेवा से जुड़ सके।

जीवन का शाश्वत सत्य

जीवन का शाश्वत सत्य, अटल और गहरा,
हर पल में बसा है, सच्चाई का पहरा।
सुख-दुःख की राहें, हैं इस सफर का हिस्सा,
हर क्षण में छुपा है, जीवन का अनमोल किस्सा।

समय का पहिया चलता, रुकता कभी नहीं,
हर पल की सीख है, जो हमें भूलनी नहीं।
सुख की धूप खिलती, तो दुःख की छाँव आती,
जीवन के इस खेल में, यही सच्चाई भाती।

मृत्यु का सत्य अटल, जीवन का अंतिम सत्य,
इससे बच न पाए कोई, यही है जीवन की मति।
प्रेम और करुणा, जीवन की असली मूरत,
इनसे ही मिलता है, जीवन का असली सुकून।

हर दिन है एक सीख, हर रात एक कहानी,
जीवन का यह सत्य, है सबसे लुभावनी।
स्वीकार करो इस सत्य को, जीओ हर पल के साथ,
यही है जीवन का मार्ग, यही है सच्चा विश्वास।

कविः अनुराग उपाध्याय

क्या हृदय के ब्लॉकेज पूरी तरह से खत्म हो सकते हैं?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

हृदय के ब्लॉकेज, जिन्हें आमतौर पर कोरोनरी आर्टरी डिजीज के रूप में जाना जाता है, को पूरी तरह से खत्म करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। यह मुख्य रूप से आर्टरी में प्लाक (प्लाक एक मटेरियल होता है जो कोलेस्ट्रॉल, फैटी पदार्थ, कैल्शियम और अन्य पदार्थों का मिश्रण होता है) के निर्माण के कारण होता है। हालांकि, ब्लॉकेज को कम करने या प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के लिए कई उपाय उपलब्ध हैं। इन उपायों में निम्नलिखित मुख्य हैं:

1. *लाइफस्टाइल में बदलाव*: स्वस्थ आहार अपनाना, नियमित व्यायाम, धूम्रपान छोड़ना, वजन कम करना और शराब का सेवन कम करना ब्लॉकेज को कम करने में मदद करता है।
2. *दवाएं*: डॉक्टर द्वारा दी गई दवाएं, जैसे कि स्टैटिन्स (कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए), अर्जुन की छाल,एंटीहाइपरटेंसिव्स (रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए), सर्पगंधा और एंटीप्लेटलेट ड्रग्स (रक्त के थक्कों को रोकने के लिए), ब्लॉकेज को कम करने या उनके प्रभाव को नियंत्रित करने में मदद करती हैं।
3. *एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग*: इस प्रक्रिया में ब्लॉक हुई आर्टरी को खोलने के लिए एक छोटी बैलून और स्टेंट (एक ट्यूब जैसी संरचना) का उपयोग किया जाता है।
4. *बाईपास सर्जरी*: इस सर्जरी में ब्लॉक हुई आर्टरी को बाईपास करने के लिए एक स्वस्थ आर्टरी या वेन का उपयोग किया जाता है।
5. *अन्य नई तकनीकें*: नए उपचार और वैकल्पिक चिकित्सा तकनीकें, जैसे कि शॉकवेव थेरेपी, चुंबकीय एक्यूप्रेशर या लेजर थेरेपी, ब्लॉकेज को कम करने में मदद करते हैं।

इन सभी उपायों का लक्ष्य ब्लॉकेज को कम करना और हृदय की कार्यक्षमता में सुधार करना होता है, लेकिन यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि पूर्ण रूप से ब्लॉकेज को हटाना हमेशा संभव नहीं होता है। उपचार का चयन प्रत्येक व्यक्ति के स्वास्थ्य स्थिति और ब्लॉकेज की गंभीरता पर निर्भर करता है, और इसके लिए एक डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है।

बापू नगर में हुआ श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर के तत्वावधान में संत सुधासागर बालिका छात्रावास की विदुषी बहिनों द्वारा 15 मई से लगातार जयपुर शहर में चल रहे श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर के अन्तर्गत दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग एवं पार्श्वनाथ चैत्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय, गणेश मार्ग, बापू नगर में धार्मिक शिविर का समापन हुआ। जिसकी अध्यक्षता ताराचन्द पाटनी एवं उमरावमल संघी ने की। विशिष्ठ अतिथि डॉ. पी. सी. जैन, श्रीमती शीला जैन डोड्या एवं ज्ञानचन्द झांझरी, श्रीमती त्रिशला देवी गोधा थे। संचालन रवि सेठी ने किया। धन्यवाद रमेश बोहरा, सुरेन्द्र कुमार मोदी ने दिया। शिविर के समापन पर धार्मिक शिक्षा और नैतिक ज्ञान अर्जन करने वाले श्रेष्ठ विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। धार्मिक अध्ययन और संस्कारों को जीवन में उतारने को लेकर हुआ शिविर का संत सुधासागर बालिका छात्रावास की विदुषी बहिनों द्वारा संचालन किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अतुल जैन कासलीवाल बनेंगे जैन मुनि

आचार्य श्री देवंनदी जी महाराज के सानिध्य में लेंगे दीक्षा

मेड़ता सिटी. शाबाश इंडिया

सरावगी मोहल्ला स्थित श्री दिगंबर जैन महावीर मंदिर मेड़ता सिटी में आज गोद भराई एवं वरगौडा.का कार्यक्रम आयोजित किया गया।दिगंबर जैन समाज के पूर्व सेक्रेटरी नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि आज प्रातः काल भगवान के अभिषेक के पश्चात जैन मुनि दीक्षा लेने वाले दीक्षार्थी मेड़ता निवासी अतुल भैयाजी का गोद भराई प्रोग्राम मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम धर्मचंद पाटनी ने अतुल भैया जी का जीवन परिचय बताया एवं आगामी 21 जुलाई को नासिक में णमोकार तीर्थ पर होने वाली दीक्षा के बारे में जानकारी दी इसके पश्चात धमीचंद पाटनी, प्रेमचंद सेठी,राजेश कासलीवाल, रतनलाल पाटनी ने अतुल भैयाजी का समाज की ओर से तिलक माला एवं मुकुट से बहुमान किया गया। इस दौरान समाज की महिला सदस्यों ने भक्ति भाव के साथ अतुल भैया जी का बहुमान किया। नरेश मेड़ता ने बताया कि मंदिर परिसर प्रोग्राम के बाद में वरगौडा विभिन्न मार्ग गाछां बाजार,माणक चौक, सब्जी मंडी, चारभुजा मंदिर चौक ,भंडारी बिल्डिंग ,भारत वॉच कंपनी चौराहा, अमृत भवन होते हुए विभिन्न मार्ग होते हुए मंदिर परिसर पहुंचा। वरगौडा. जुलूस में डूंगरमल पाटनी, सुरेंद्र रावंका, जिवेन्द्र कोठारी, सुनील पाटनी, धर्मचंद सेठी, संजय पाटनी ,सुरेंद्र कासलीवाल,बबलू पाटनी,प्रकाश पाटनी, सुमेर सेठी , धनपतमल मेहता ,मोनू बबं, अमित चौरडिया, अजीत सुराणा, राजेंद्र भगड़तिया,महावीर गंगवाल, विकास पाटनी , प्रदीप श्रीमाल, हेमराज कोठारी, राकेश आंचलिया, सहीत सभी समाज बंधु उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर में 50 युनिट रक्त एकत्रित

जयपुर. शाबाश इंडिया। तेरापंथ युवक परिषद जयपुर के **MBDD**आयाम के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल, उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के सहयोग से गणपति नगर स्थित अरावली रेलवे आफिसर क्लब में गुरुवार, 30 मई को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।शिविर प्रायोजक डा. नरेश मेहता (मुख्य ट्रस्टी, गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट) ने बताया कि प्रचंड गर्मी का प्रकोप होते हुए भी उक्त रक्तदान शिविर में ईएचसीसी अस्पताल के ब्लड बैंक द्वारा 50 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। उल्लेखनीय बात यह रही कि उत्तर पश्चिम रेलवे के आई जी ज्योति कुमार सतीजा ने 50वीं बार सह पत्नी रक्तदान कर अपने जवानों का उत्साहवर्धन किया।साथ ही ऊ्र्न्नढ्ढ फ्द्धत्र्न्न संदीप कुमार रविवंशी ने भी अपनी टीम के साथ उक्त रक्तदान शिविर में रक्तदान कर सभी को रक्तदान महादान का संदेश दिया। इस मौके पर तेरापंथ युवक परिषद जयपुर के अध्यक्ष अमित छलानी, अभा तेयुप से टइऊऊआयाम के राष्ट्रीय संयोजक हितेश भांडिया, तेयुप के पूर्व अध्यक्ष राजेश छाजेड़, सुरेन्द्र नाहटा, सहमंत्री गौतम बरडिया, संगठन मंत्री अभिषेक भंसाली एवं नार्दन रीजन संयोजक करन नाहटा उपस्थित थे। शिविर के कुशल संचालन में संयोजक जयंत भुरा एवं अरिहंत दूगड़ का श्रम उल्लेखनीय रहा। इस संदर्भ में यह कहना उचित होगा कि अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद रक्तदान शिविर आयोजित करवाने में भारत सरकार द्वारा सम्मानित एक सेवाभावी संस्था है जो वर्ष भर देश में ऐसे अनेकों शिविरो का आयोजन करवाते हैं।

लॉर्ड कृष्णा स्कूल में 10वीं की छात्र छात्राओं का परीक्षा परिणाम 99%

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी ।स्थानीय लॉर्ड कृष्णा स्कूल में 10वीं की छात्र छात्राओ का परीक्षा परिणाम 99% रहा। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान (फ्इरए) बुधवार, 29 मई 2024 को कक्षा 10वीं के परिणामों की घोषणा कर दी गई है। विद्यालय प्राचार्य सोनम गुप्ता ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान से संबंध लॉर्ड कृष्णा विद्यालय द्वारा संचालित विद्यालय छात्रों का परीक्षा परिणाम 99% रहा है 10वीं कक्षा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा में दिव्यांशी गर्ग सुपुत्री विनोद गर्ग ने 97.00% अंक प्राप्त करके अपना स्थान बनाया है इसी प्रकार गौरव गुर्जर सुपुत्र दिनेश गुर्जर ने 96%, अजीत सिंह सुपुत्र हाकिम सिंह 96%, रेणुका सुपुत्री ऋतुराज सिंह जाटव ने 96%, नितानशा गोयल सुपुत्री राकेश गोयल ने 95%, तनिष्क गोयल सुपुत्र मदन मोहन गोयल ने 95%, स्पर्श श्रोत्रिय सुपुत्र योगेंद्र कुमार ने 95%, निशांत बालोठिया सुपुत्र गजेंद्र प्रसाद ने 94%, अवसा स्वामी सुपुत्री जयराम ने 94%, सिमरन सुपुत्री रमेश सिंह गुर्जर ने 94%, दक्ष हरसाना सुपुत्र मुरारी लाल ने 93%, तनिष्क गोयल सुपुत्र राकेश गोयल ने 91%, कपिल पवार सुपुत्र खेम सिंह गुर्जर ने 92%, सृष्टि जैन सुपुत्री मनोज जैन ने 90% अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्राचार्य व शिक्षक गणों ने सफल छात्र छात्राओं को बधाई संप्रेषित की है।

15 दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पदमावती कॉलोनी निर्माण नगर जयपुर अंतर्गत संचालित विद्या सुधा जैन संस्कार पाठशाला मे विगत 15 मई से 30 मई तक श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमे शताधिक बच्चे, युवा, प्रोढ़ जनो ने लाभ लिया।शिविर का समापन गुरुवार, 30 मई को विधिवत किया गया, जिसमें सभी विषयो में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए! शिविर में पंडित राहुल शास्त्री लाडनूं वालों ने सभी को अध्यापन कार्य कराया। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती विमला ठोलिया ने बताया कि समापन कार्यक्रम मे पंडित राहुल शास्त्री को सम्मानित किया गया। शिविर में बच्चो को जैन धर्म के बारे मे बताया। कार्यक्रम में मनीष जैन मुख्य अतिथि के रूप मे पधारे शिविर के संचालन मे डॉ सुनील जैन, मनीष जैन,त्रिशला जैन,श्रीमती विमला ठोलिया,श्रीमती संतोष जैन, निधि बड़जात्या, आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

युवाओं ने श्री महावीर के किए दर्शन, उपाध्याय उर्जयन्त सागर जी महाराज का लिया आशीर्वाद

कोटखावदा. शाबाश इंडिया। श्री अतिशय क्षेत्र दिगम्बर जैन मंदिर श्री महावीर में युवाओं ने वर्तमान शासन नायक 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर के सामूहिक दर्शन कर जलाअभिषेक किया वहीं अतिशय क्षेत्र में विराजमान उपाध्याय उर्जयन्त सागर जी महाराज का केसर व जल से पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान राजस्थान जैन युवा महासभा ग्रामीण महामंत्री अमन जैन कोटखावदा, त्रिलोक चंद जैन, अनमोल सेठी, रितिक जैन, सौरभ जैन सहित बड़ी संख्या में युवा व समाज बंधु उपस्थित रहे।

धार्मिक शिक्षण शिविर का हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। केसर चौराहा वामा संभाग जयपुर द्वारा मोना झांझरी की अध्यक्षता में महिला महासमिति और श्रमण संस्कृति संसथान सांगानेर के तत्वावधान में 15 मई से चल रहे शिविर का 29 मई को भव्य समापन समारोह का आयोजन किया गया।शिविर संयोजक देवेंद्र झांझरी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंगलम आनंदा सोसाइटी जैन महिला मंडल की अध्यक्ष सरस्वती पापड़ी बाल एवं मंत्री विमला छाबड़ा एवं सुरेश पापड़ीबाल रहे। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर शुरूआत की गई। तत्पश्चात मंगलाचरण किया गया उसके बाद सभी अतिथियों का माला साफा पहनाकर विधिवत तरीके से स्वागत सम्मान किया गया। संयोजक देवेंद्र झांझरी द्वारा शिविर में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण किए गए शिविर में चल रहे रत्नाकरण श्रावकाचार में प्रथम स्थान यामिनी गोधा, द्वितीय स्थान रंजना पाटनी, तृतीय स्थान शिवलू जैन एवं बच्चों में प्रथम भाग में प्रथम स्थान अभी पाटनी, द्वितीय मानविक गोधा ने प्राप्त किया कार्यक्रम में सभी विधार्थियो द्वारा शिक्षिका मोना झांझरी का भी आभार व्यक्त किया है। मोमेटो भेंट सम्मानित किया इसके बाद सभी महिलाएं कलश जो स्थापित किए गए थे तीनों कलश आदिनाथ भगवान का, आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज का बड़े भक्ति भाव से भक्ती नृत्य करते हुए अपने अपने यथा स्थान पर विराजमान किया अन्त में शिक्षिका मोना झांझरी ने श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोड्या , प्रेदशाध्यक्ष शालनी बाकलीवाल, वन्दना जैन का धन्यवाद व्यक्त किया।

राजस्थान जैन युवा महासभा युवाओं एवं महिलाओं को संगठित कर कर रही धर्म प्रभावना : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

युवा महासभा के पदाधिकारियों ने माताजी ससंघ से लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बुधवार, 29 मई को नेमीसागर कालोनी के श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवासरत गणिनी आर्यिका 105 श्री विज्ञा श्री माताजी ससंघ के दर्शन लाभ प्राप्त कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में समाज की ओर से दोनो का तिलक माल्यार्पण एवं दुपट्टा ओढाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। धर्म सभा को संबोधित करते हुए पूज्य माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि राजस्थान जैन युवा महासभा के पदाधिकारी युवाओं एवं महिलाओं को संगठित कर धर्म प्रभावना के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे हैं। माताजी ने कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांत जीओ और जीने दो सहित अहिंसा, शाकाहार का प्रचार-प्रसार करने की आज के भौतिक युग में महती आवश्यकता है। तीर्थंकरों एवं आचार्यो द्वारा दिये गये उपदेशों को छिपाने की नहीं अपितु छपाने की आवश्यकता है ।धार्मिक एवं सामाजिक व मानव सेवार्थ गतिविधियों का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करना चाहिए जिससे दूसरे लोग भी मोटिवेट होकर धर्म कार्य करे। धर्मसभा का संचालन अध्यक्ष जे के जैन नेमीसागर ने किया इस मौके पर समाजसेवी एवं मुनिभक्त अनिल जैन धुआँ सहित बड़ी संख्या में धर्मावलंबी उपस्थित थे।